राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 ■ अंक 35 ■ मुंबई : बुधवार 08 जुलाई से 14 जुलाई 2026 ■ संपादक : फैसल शेख ■ पृष्ठ : 8 ■ कीमत : 03 रुपये

मुंबई : एसटी सेवा प्रभावित, आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा

मुंबई: महाराष्ट्र में सोमवार को हुई भारी बारिश की वजह से कई जगहों पर लैंडस्लाइड, पेड़ गिरने और सड़कें पानी में डूब गईं। इसका असर महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एसटी) की बसों पर भी पड़ा. एसटी बसों की पिछले दो दिनों में 7,820 ट्रिप रद्द कर दी गई। इस वजह से एसटी महामंडल को 2.29 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है। एसटी प्रशासन ने लोगों से अगली सूचना तक पुणे-मुंबई या मुंबई-पुणे के बीच ट्रैवल न करने की अपील की है। भारी बारिश की वजह से रविवार, 5 जुलाई, 2026 को पूरे राज्य में रोजाना होने वाली 84,000 ट्रिप में से 3,601 ट्रिप कैंसिल करनी पड़ीं। इसकी वजह से 1.74 लाख किलोमीटर की यात्रा कैंसिल हुई और एसटी को 69.97 लाख रुपये की कमाई का नुकसान हुआ। सोमवार, 6 जुलाई को शाम 6 बजे तक हालात और खराब हो गए। इस दिन 4,219 ट्रिप कैंसिल हुईं। इसकी वजह से 3.07 लाख किलोमीटर की यात्रा रद्द हुई और 1.60 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस तरह दो दिनों में कुल 7,820 एसटी ट्रिप कैंसिल हुईं। इसकी वजह से करीब 4.81 लाख किलोमीटर की यात्रा रद्द हुई और महामंडल को 2.29 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व नुकसान हुआ है।

मुंबई : सीबीआई कोर्ट का फैसला

बैंक धोखाधड़ी मामले में आरोपियों को जेल

मुंबईः सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने बताया कि पुणे की एक स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में प्राइवेट कंपनियों के दो मालिकों को तीन साल की कड़ी सजा सुनाई है। इस मामले में स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद (जो अब दूसरे बैंक में मिल गया है) को 5.5 करोड़ रुपये से ज्यादा का गलत तरीके से नुकसान हुआ था।

सीबीआई की प्रेस रिलीज के अनुसार, कोर्ट ने 6 जुलाई को इस मामले में एम/एस चंद्रकांत एस. लोढ़ा एंड कंपनी के मालिक चंद्रकांत लोढ़ा और एम/एस ठक्कर एंड संस के मालिक परेश ठक्कर को दोषी ठहराया।

सीबीआई ने स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद की शिकायत के आधार पर 9 अक्टूबर, 2001 को यह मामला दर्ज किया था। यह मामला स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर बी. आर. दगड़े, तत्कालीन असिस्टेंट मैनेजर वी.एल. काले, चंद्रकांत लोढ़ा और परेश ठक्कर के खिलाफ दर्ज किया गया था।आरोप था कि आरोपियों ने बैंक को धोखा देने के मकसद से ज्यादा कीमत वाले चेक जमा किए, जिन्हें बैंक अधिकारियों ने उनके क्लियर होने का इंतजार किए बिना ही मंजूरी दे दी।जांच में पता चला कि आपराधिक साज़िश के तहत, आरोपी चंद्रकांत लोढ़ा (जो एम/एस चंद्रकांत एस. लोढ़ा एंड कंपनी के मालिक थे) ने 6.75 करोड़ रुपये कीमत के 18 ''अकोमोडेटिव चेक'' (बिना वास्तविक लेन-देन के जारी किए गए चेक) जमा किए। ये चेक आरोपी परेश ठक्कर ने नासिक पीपल्स कोऑपरेटिव बैंक में अपने मालिकाना हक वाले खाते से जारी किए थे और बैंक अधिकारियों ने इन्हें पास कर दिया था। इसके बाद, विनोद काले ने बी.आर. दगड़े की मंजूरी से चंद्रकांत लोढ़ा को उनके करंट अकाउंट से ज्यादा कीमत वाले चेक जारी करने की इजाजत दी, जबकि उन चेक का नतीजा (क्लियरेंस) अभी पता भी नहीं चला था। इस तरह, चंद्रकांत लोढ़ा ने अपने और अपनी सहयोगी कंपनियों (जैसे एम/एस ए.सी. एंटरप्राइजेज, एम/एस अक्षय ट्रेडर्स) के नाम से चेक जारी किए और इस वजह से बैंक को 5.58 करोड़ रुपये का गलत तरीके से नुकसान पहुँचाया।

मुंबई : भारी बारिश से 13 लोगों की मौत, 10 घायल; ''रेड अलर्ट'' जारी

मुंबईः पिछले दो दिनों में, तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश ने महाराष्ट्र को तबाह कर दिया है, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई और 10 दूसरे घायल हो गए। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर ने बताया कि करीब 100 घर डैमेज हो गए हैं, जिससे सैकड़ों लोग भारी बाढ़ की वजह से बेघर हो गए हैं। पिछले 24 से 48 घंटों के डेटा से पता चलता है कि तटीय और पश्चिमी इलाकों में बारिश कितनी तेज है। लोनावाला में पिछले 48 घंटों में 625मिमी (24.71 इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। रायगढ़ में पिछले 24 घंटों में 236मिमी बारिश हुई, ठाणे में 161मिमी, रत्नागिरी में 152मिमी, पालघर में एवरेज 132मिमी और मुंबई में अलग-अलग सेक्टरों में 100मिमी से 161मिमी के बीच बारिश रिकॉर्ड की गई। पूरे राज्य में पानी के सोर्स तेजी से ओवरफ्लो हो रहे हैं। उल्हास, कालू और पिंजल नदियाँ अपने वॉर्निंग लेवल को पार कर गई हैं। अंबा, सावित्री, कुंडलिका, पातालगंगा, जगबूड़ी और उल्हास नदियाँ अपने खतरे के निशान को पार कर गई हैं। इसलिए, बदलापुर, मोहने और जम्भुलपाड़ा के लिए बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। तूफान के दबाव में इंफ्रास्ट्रक्चर के कमजोर होने से कई जिलों से दुखद घटनाओं की खबर मिली है। मुंबई में, मानखुर्द इलाके में एक बिल्डिंग के झुग्गी-झोपड़ियों पर गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया।

इसके अलावा, उपनगरों में पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। ठाणे में, एक बिल्डिंग का एक हिस्सा गिरने से दो लोग घायल हो गए। पालघर और सिंधुदुर्ग में, हर ज़िले में डूबने से एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। तेज हवाओं की वजह से सिंधुदुर्ग में 30 घर भी गिर गए। सतारा में, लैंडस्लाइड की वजह से एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए।

लगातार भारी बारिश की वजह से लैंडस्लाइड के खतरे के चलते माथेरान, लोनावाला, खोपोली और लोहागढ़ जैसे हिल स्टेशनों के लिए ''रेड अलर्ट'' जारी किया गया है। इन इलाकों में नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की दो टीमें तैनात की गई हैं। पुणे ज़िले के मावल तालुका में, पाटन में एक घर पर लैंडस्लाइड होने से चार लोग फंस गए। तालेगांव-दभाड़े के पास एक और घटना में, 25 यात्रियों को ले जा रही एक बस बाढ़ के पानी में फंस गई।

मुंबई : महाबलेश्वर में भारी बारिश का कहर, पुल ढहा; कई गांवों का संपर्क टूटा

मुंबईः महाराष्ट्र के प्रसिद्ध हिल स्टेशन महाबलेश्वर में लगातार हो रही भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। तेज बारिश के कारण क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई इलाकों में जलभराव, सड़क क्षति और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबर सामने आई है।

लगातार बारिश के चलते कई गांवों का संपर्क टूट गया है। वहीं, कुछ क्षेत्रों में बिजली और पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। प्रशासन की टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और प्रभावित इलाकों में राहत कार्य किए जा रहे हैं।

वेन्ना नदी पर छोटा पुल ढहा भारी बारिश के बीच महाबलेश्वर में एक बड़ा हादसा टल गया। वेन्ना झील के पास वेन्ना नदी पर री जंथा की ओर जाने वाला एक छोटा लोहे का पुल तेज जल प्रवाह के कारण ढह गया। बताया जा रहा है कि नदी में पानी का बहाव अचानक बढ़ गया था, जिसके चलते पुल का ढांचा कमजोर होकर टूट गया।

नवी मुंबई : तेज रफ्तार कार ने बरपाया कहर, 10 पैदल चलने वालों को टक्कर मारी, एक की मौत

नवी मुंबई : नवी मुंबई में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। नवी मुंबई में एक तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक कार के ड्राइवर ने कथित तौर पर गाड़ी से नियंत्रण खो दिया और एक बड़ा ''हिट-एंड-रन'' हादसा कर दिया। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और लगभग 12 अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद ड्राइवर घटना स्थल से गाड़ी छोड़कर भाग गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा तलोजा फेज 1 इलाके में हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इलेक्ट्रिक कार ने सबसे पहले सड़क पर चार-पांच गाड़ियों को टक्कर मारी, जिससे काफी नुकसान हुआ। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 12 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर क्षतिग्रस्त गाड़ी छोड़कर भाग गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है। हादसे की असल वजह और घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

मुंबई : दादर रेलवे स्टेशन पर महिला से बेरहमी का वीडियो वायरल, ट्रैक पर मारपीट देख लोग नाराज

मुंबई: मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन से सामने आए एक परेशान करने वाले वीडियो ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एक व्यक्ति रेलवे ट्रैक के पास एक महिला के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट करता नजर आ रहा है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद यात्रियों की सुरक्षा और मौके पर मौजूद लोगों की चुप्पी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि एक व्यक्ति प्लेटफॉर्म के पास पटरियों के किनारे बजरी वाले हिस्से में एक महिला को पीट रहा है। इस दौरान आसपास मौजूद कुछ लोग घटना को देखते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन किसी ने तुरंत हस्तक्षेप नहीं किया। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और मामले में कार्रवाई की मांग उठने लगी।

रेलवे ट्रैक के पास हुई घटना जानकारी के अनुसार, यह घटना मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन परिसर में हुई। वायरल वीडियो में हल्के रंग की शर्ट और ट्राउजर पहने एक व्यक्ति दिखाई दे रहा है। आरोप है कि उसने वहां मौजूद एक महिला के साथ मारपीट की। वीडियो में व्यक्ति महिला को बार-बार घूंसे और लात मारता दिखाई देता है। इसके बाद वह महिला को घसीटते हुए प्लेटफॉर्म के किनारे की ओर ले जाता नजर आता है। महिला खुद को बचाने और खड़े होने की कोशिश करती दिखाई देती है, लेकिन आरोपी लगातार हमला करता रहता है।

यात्रियों की मौजूदगी पर उठे सवाल इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह रहा कि आसपास कई लोग मौजूद थे, लेकिन वीडियो में किसी को तुरंत मदद के लिए आगे आते नहीं देखा गया। सोशल मीडिया पर वीडियो साझा होने के बाद कई लोगों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि सार्वजनिक स्थान पर एक महिला के साथ हिंसा होती रही और लोग केवल देखते रहे। लोगों ने सवाल उठाया कि ऐसी घटनाओं में आसपास मौजूद लोगों को पीड़ित की मदद के लिए आगे आना चाहिए और तुरंत पुलिस या रेलवे सुरक्षा बल को सूचना देनी चाहिए।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल गया। वीडियो सामने आने के बाद बड़ी संख्या में यूजर्स ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

लोगों ने रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई। यात्रियों का कहना है कि रेलवे परिसरों में सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए। पुलिस और रेलवे प्रशासन की नजर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस और रेलवे प्रशासन मामले की जांच में जुट गए हैं। अधिकारियों की ओर से घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वीडियो कब का है, इसमें दिखाई दे रहे लोग कौन हैं और मारपीट के पीछे क्या कारण था। जांच के आधार पर आरोपी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। महिला सुरक्षा को लेकर फिर उठा मुद्दा रेलवे स्टेशन और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा हमेशा से एक महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी कई बार अपराधी किस तरह बेखौफ होकर हिंसा कर देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केवल सुरक्षा व्यवस्था ही नहीं, बल्कि आम लोगों की जिम्मेदारी भी जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति हिंसा होते देखता है तो उसे तुरंत पुलिस को सूचना देनी चाहिए या पीड़ित की सहायता करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर सतर्कता की अपील अधिकारियों का कहना है कि रेलवे परिसरों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए लगातार निगरानी रखी जाती है। यात्रियों से भी अपील की जाती है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या हिंसा की स्थिति में तुरंत रेलवे हेल्पलाइन या सुरक्षा कर्मियों को जानकारी दें। दादर स्टेशन की इस घटना ने यात्रियों के बीच चिंता बढ़ा दी है। अब सभी की नजर पुलिस जांच और आरोपी के खिलाफ होने वाली कार्रवाई पर है। जांच के बाद साफ होगी पूरी तस्वीर फिलहाल वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच जारी है। पुलिस घटना के हर पहलू को खंगाल रही है ताकि सही तथ्यों का पता लगाया जा सके। यह घटना एक बार फिर यह संदेश देती है कि सार्वजनिक स्थानों पर हिंसा को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। समय पर हस्तक्षेप और सूचना देने से किसी बड़ी घटना को रोका जा सकता है।

निजी हॉस्टल में मासूम बच्चों के साथ यौन शोषण का आरोप, पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

सिरोही: राजस्थान के सिरोही जिले में एक निजी छात्रावास में 6 नाबालिग बच्चों के यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है. पुलिस ने हॉस्टल के वार्डन को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है.

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को 1 जुलाई को गुमनाम ई-मेल मिला था. इसमें वार्डन पर लंबे समय से बच्चों के साथ गलत हरकतें करने के आरोप लगाए गए थे. उछरअ, बाल कल्याण समिति और पुलिस की संयुक्त टीम ने गोपनीय जांच की. बच्चों से बातचीत में आरोप सही पाए जाने के बाद तुरंत कार्रवाई की गई.

30 बच्चों को सुरक्षित रखा गया

हॉस्टल में 5 से 11 साल के करीब 30 बच्चे रह रहे थे. सभी बच्चों को फिलहाल पुलिस और प्रशासन की निगरानी में रखा गया है. एक पीड़ित बच्चे का मेडिकल कराया गया है, बाकी बच्चों के बयान और मेडिकल जांच की प्रक्रिया चल रही है.

वार्डन ने उपहार देकर बनाया भरोसा

पूछताछ में एक बच्चे ने बताया कि वार्डन ऑनलाइन घड़ी, क्रिकेट किट जैसे उपहारों का लालच देकर बच्चों का भरोसा जीतता था. पुलिस ने हॉस्टल से दो कंप्यूटर और सीसीटीवी फुटेज भी जब्त किए हैं. मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोर सिंह चौहान के नेतृत्व में विशेष टीम कर रही है. जांच में हॉस्टल बिना किसी वैध पंजीकरण के चल रहा था, यह भी सामने आया है.

रामझरोखा हनुमान मंदिर का जर्जर भवन दे रहा हादसे को न्योता, ट्रस्ट विवाद के चलते नहीं हो पा रहा रिनोवेशन

सिरोही: शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल रामझरोखा मंदिर परिसर में स्थित हनुमान मंदिर इन दिनों जर्जर हालत में पहुंच चुका है. मंदिर भवन की खराब स्थिति को देखते हुए बारिश के मौसम में इसके गिरने का खतरा बढ़ गया है. मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं, स्थानीय लोगों और पुजारियों में भी अब चिंता का माहौल है. रामझरोखा मंदिर सिरोही शहर का आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. लेकिन इसी परिसर में स्थित हनुमान मंदिर की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है. मंदिर की दीवारों में जगह-जगह बड़ी दरारें आ गई हैं, वहीं छत से प्लास्टर के टुकड़े भी गिर रहे हैं. भवन की हालत देखकर कभी भी किसी अप्रिय घटना की आशंका जताई जा रही है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश का मौसम शुरू हो चुका है और ऐसे में जर्जर भवन के कारण खतरा और बढ़ गया है. उनका कहना है कि यदि समय रहते मंदिर की मरम्मत नहीं करवाई गई तो बड़ा हादसा हो सकता है.

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान जरूरी है. मंदिर की मरम्मत में सबसे बड़ी बाधा जमीन को लेकर चल रहा विवाद बताया जा रहा है.

जानकारी के अनुसार, मंदिर की भूमि को लेकर दो ट्रस्टों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है. इसी विवाद के कारण रिनोवेशन का काम शुरू नहीं हो पा रहा है. दोनों पक्षों के बीच जिम्मेदारी तय नहीं होने से मंदिर की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है. स्थानीय लोगों का कहना है कि आस्था से जुड़े इस मंदिर को बचाने के लिए प्रशासन और दोनों ट्रस्टों को आपसी सहमति बनाकर जल्द निर्णय लेना चाहिए. उनका कहना है कि विवाद के कारण मंदिर की अनदेखी करना उचित नहीं है, क्योंकि यहां रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं.

ऐसा शिव मंदिर, जहां पाप-पुण्य का फैसला करती है एक रहस्यमयी गली

सिरोही: सिरोही के मंदार में पहाड़ी पर स्थित लीलाधारी महादेव मंदिर में 84 फीट का स्वयंभू शिवलिंग है. यहां स्थित जहाज की आकृति वाले गमानिया कुंड के पानी से शारीरिक तकलीफें दूर होती हैं, जिसे भक्तों ने श्रमदान से साफ किया है. मंदिर में एक गंगा कुंड भी है जिसका पानी कभी नहीं सूखता. यहाँ की रहस्यमयी ह्यपाप-पुण्य गली'' को केवल निष्पाप और पुण्य करने वाला व्यक्ति ही पार कर पाता है. पौराणिक कथा के अनुसार रावण ने इस मंदा शिखर को यहाँ रखा था. यहाँ मन्नत पूरी होने पर घंटी चढ़ाने की परंपरा है.

मुंबई में पटरी पर लौटी जिंदगी: रत्नागिरी का हाल बेहाल, महाराष्ट्र में 24 घंटे में बारिश ने मचाया कहर

मुंबईः मुंबई में लगातार दो दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद मंगलवार को मौसम ने कुछ राहत दी। बारिश कम होने से शहर में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा और लोकल ट्रेन सेवाएं भी अधिकांश मार्गों पर फिर से शुरू कर दी गईं। हालांकि, राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश का असर अब भी जारी है। पालघर जिले में बाढ़ और बारिश से जुड़ी घटनाओं में पिछले एक सप्ताह में 10 लोगों की मौत हुई है। रत्नागिरी जिले के खेड तहसील के दहिवली क्षेत्र में सोमवार रात भारी बारिश के कारण बड़ा भूस्खलन हुआ, जिसमें पांच मकान मलबे में दब गए। राहत एवं बचाव दल ने एक 75 वर्षीय महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि दो अन्य लोगों की तलाश जारी है।

मुंबई में तेज बारिश और हवाओं के बीच पिछले 24 घंटों में दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। वहीं अंधेरी क्षेत्र में सीमेंट की चादर गिरने से दो महिलाएं घायल हो गईं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अनुसार, शहर में 428 स्थानों पर पेड़ या शाखाएं गिरने और 28 स्थानों पर दीवार या मकान क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं दर्ज की गईं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई और आसपास के क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। एहतियात के तौर पर मंगलवार को मुंबई के सभी स्कूल और कालेज बंद रखे गए।

मिसिंग लिंक'' बाईपास पर यातायात दोबारा शुरू

मुंबई-पुणे रेल मार्ग के भोर घाट खंड में भूस्खलन से क्षतिग्रस्त रेलवे लाइन की मरम्मत युद्धस्तर पर जारी है। रेल लाइन खराब होने के कारण 14 ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं, जबकि कई ट्रेनों का मार्ग बदला गया या उन्हें आंशिक रूप से रद्द किया गया।

वहीं मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के ''मिसिंग लिंक'' बाईपास पर यातायात दोबारा शुरू कर दिया गया है। पुणे जिले में पिछले दो दिनों में 22 भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गईं। लोनावला में 24 घंटे के दौरान 670 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई।

इंद्रायणी नदी के खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण पंढरपुर जा रहे वारकरी श्रद्धालुओं से आलंदी मार्ग से बचने की अपील की गई है। इस बीच नासिक, त्र्यंबकेश्वर और इगतपुरी में भी भारी बारिश से गोदावरी नदी उफान पर है। राज्य में लगातार हो रही बारिश और जनहानि को लेकर विधानसभा में विपक्ष ने चर्चा की मांग भी उठाई है।

छह दिनों में इतनी बारिश, जितनी कुछ शहरों में होती है सालभर में

मुंबई में जुलाई के पहले छह दिनों के दौरान हुई बारिश ने कई बड़े शहरों की पूरे वर्ष की औसत वर्षा को पीछे छोड़ दिया है। आइएमडी के आंकड़ों के अनुसार, एक से छह जुलाई 2026 के बीच दक्षिण मुंबई स्थित कोलाबा में 882.6 मिमी और उपनगर सांताक्रूज में 988.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

मुंबई : हर साल डूबती मुंबई पर हाई कोर्ट नाराज, कहा- समस्या के लिए नागरिक खुद जिम्मेदार

मुंबईः हर साल मॉनसून के सीजन में जलभराव आम कहानी बन गई है। हर साल मुंबई शहर में सीवर में गिरने से लोगों की मौतें होती हैं। इस मुद्दे को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। हाई कोर्ट ने कड़े शब्दों में कहा कि मुंबई में मॉनसून के दौरान बार-बार होने वाला जल-जमाव नागरिकों की ही पैदा की हुई समस्या है। इसके लिए नागरिक खुद जिम्मेदार हैं क्योंकि वे जमीन पर कब्जा करते हैं, नालियां जाम करते हैं और पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का गलत इस्तेमाल करते हैं.

सड़कों पर जलभराव होना तय''

कार्यवाहक चीफ जस्टिस रवींद्र वी. घुगे और जस्टिस गौतम अंखाड की बेंच ने टिप्पणी की कि शहर में सड़कों पर पानी का जमाव होना तय है क्योंकि लोग कचरे से नालियां बंद कर देते हैं, पक्की जगहों को अवैध पार्किंग में बदल देते हैं और फुटपाथों पर खाने-पीने के स्टॉल लगाकर भीड़ बढ़ा देते हैं.

सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए, चीफ जस्टिस घुगे ने कहा कि हाई कोर्ट के बाहर के फुटपाथों पर भी

मुंबई : मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, सड़क, रेल और हवाई सेवाएं प्रभावित

मुंबईः देश की आर्थिक राजधानी मुंबई इस समय भारी बारिश की मार झेल रही है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने पूरे शहर की रफ्तार को थाम दिया है। आसमान से बरसते पानी ने मायानगरी को जलमग्न कर दिया है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सड़कें पानी में डूब गई हैं और कई इलाकों में लोगों को आवाजाही में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बारिश के कारण शहर में सामान्य जीवन लगभग ठप पड़ गया है। सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे यातायात व्यवस्था बुरी तरह

प्रभावित हुई है। कई जगहों पर वाहन फंस गए हैं और लोग घंटों तक जाम में फंसे रहने को मजबूर हैं। प्रशासन की ओर से राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन बारिश की तीव्रता के कारण चुनौतियां बनी हुई हैं।

मुंबई में बारिश का असर केवल सड़कों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका व्यापक प्रभाव रेल और हवाई सेवाओं पर भी देखने को मिला है।

नवी मुंबई : पांडवकड़ा वॉटरफॉल में दूसरे युवक का शव बरामद

नवी मुंबईः अधिकारियों के अनुसार, पहली घटना हुई थी। तलोजा फेज-1 स्थित जनता गैराज के पास सागर विहार बिल्डिंग में रहने वाले 20 वर्षीय मोहम्मद मोबाशिर मोहम्मद शाहिद अपने दोस्तों के साथ पांडवकड़ा वॉटरफॉल घूमने पहुंचे थे। बारिश के कारण झरने का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ था और पानी का बहाव अत्यधिक तेज था।

तेज बहाव में बह गया युवक प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वॉटरफॉल के पास घूमने के दौरान मोहम्मद मोबाशिर अचानक तेज बहाव की चपेट में आ गए। उनके साथ मौजूद दोस्तों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि वे कुछ ही क्षणों में आंखों से ओझल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग, आपदा प्रबंधन टीम और अन्य बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, लेकिन खराब मौसम, तेज बहाव और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण शुरूआती घंटों में सफलता नहीं मिल सकी। तलाश के बीच हुआ दूसरा हादसा पहले युवक की तलाश जारी ही थी कि अगले ही दिन उसी वॉटरफॉल पर एक और हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा शेनन गैसपर किनी, जो मुंबई के सांताक्रूज क्षेत्र की रहने वाली थीं, अपने दोस्तों के साथ पांडवकड़ा वॉटरफॉल घूमने आई थीं। इसी दौरान वह भी तेज बहाव की चपेट में आ गईं और पानी में बह गईं।

इस दूसरी घटना के बाद बचाव एजेंसियों के सामने चुनौती और बढ़ गई। रेस्क्यू टीम को एक साथ दो अलग-अलग लापता लोगों की तलाश करनी पड़ी। इसके लिए खोज अभियान का दायरा भी बढ़ाया गया। चार दिन तक चला सर्च ऑपरेशन लगातार बारिश और तेज बहाव के बावजूद रेस्क्यू टीम ने चार दिनों तक अभियान जारी रखा। इस दौरान पुलिस, दमकल विभाग, आपदा प्रबंधन दल, स्थानीय प्रशासन और प्रशिक्षित गोताखोरों ने संयुक्त रूप से

तलाशी अभियान चलाया। बचाव दल ने नदी के बहाव वाले क्षेत्रों, चट्टानों के आसपास, झाड़ियों और निचले इलाकों में व्यापक खोजबीन की। कई स्थानों पर नावों और विशेष उपकरणों की भी मदद ली गई। ड्रोन और अन्य तकनीकी साधनों का उपयोग कर संभावित स्थानों की निगरानी की गई।

मंगलवार को अभियान के दौरान रेस्क्यू टीम को दूसरे लापता युवक का शव बरामद हुआ। इसके बाद चार दिनों से चल रहा खोज अभियान समाप्त कर दिया गया। बारिश के मौसम में बढ़ जाता है खतरा पांडवकड़ा वॉटरफॉल मानसून के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। हालांकि भारी बारिश के समय यहां पानी का बहाव अचानक बहुत तेज हो जाता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कई बार लोग चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा निर्देशों की अनदेखी कर झरनों के बेहद करीब चले जाते हैं या पानी में उतरने का प्रयास करते हैं। ऐसे में तेज बहाव उन्हें अपनी चपेट में ले लेता है। प्रशासन की अपील स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मानसून के दौरान झरनों, नदियों और जलाशयों के आसपास विशेष सावधानी बरतें। यदि किसी स्थान पर प्रवेश प्रतिबंधित किया गया हो या चेतावनी जारी की गई हो तो उसका पूरी तरह पालन करें।

अधिकारियों ने कहा कि तेज बारिश के दौरान जलस्तर कुछ ही मिनटों में अचानक बढ़ सकता है, जिससे जान का खतरा पैदा हो जाता है। इसलिए रोमांच के लिए किसी भी तरह का जोखिम उठाने से बचना चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था और सख्त करने की तैयारी लगातार हो रही ऐसी घटनाओं को देखते हुए प्रशासन पांडवकड़ा वॉटरफॉल और अन्य लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और सख्त करने पर विचार कर रहा है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और पर्यटकों की निगरानी बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा लोगों को मानसून के दौरान प्राकृतिक पर्यटन स्थलों पर सतर्क रहने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे।

लोगों से सतर्क रहने की अपील रेस्क्यू अभियान समाप्त होने के बाद प्रशासन ने एक बार फिर लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में किसी भी झरने, नदी या तेज बहाव वाले जल स्रोत के पास जाने से पहले सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। अधिकारियों का कहना है कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। पांडवकड़ा वॉटरफॉल में लगातार दो दिनों में हुए इन दर्दनाक हादसों ने कई परिवारों को गहरा सदमा दिया है। यह घटनाएं मानसून पर्यटन के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने और प्राकृतिक जल स्रोतों के आसपास अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता की एक गंभीर याद दिलाती हैं।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बॉम्बे हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

> हाई कोर्ट ने सियोन-ट्रॉम्बे स्ट्रेच पर मंडला गांव में सड़क चौड़ी करने के प्रोजेक्ट को लेकर परमाणु ऊर्जा विभाग को औपचारिक नोटिस जारी किया. BMC की ओर से पेश होते हुए, वरिष्ठ वकील मिलिंद साठे ने कोर्ट को बताया कि सिविक बॉडी ने पहले ही अतिक्रमण हटा दिया है और मौजूदा 30-फुट सड़क को बनाए रखने के लिए 192 पेड़ काट दिए हैं. BMC ने कहा कि अगर परमाणु ऊर्जा विभाग बाकी बची 20 फुट अतिक्रमण-मुक्त जमीन सौंप दे, तो वह सड़क को 50 फुट तक चौड़ा करने के लिए तैयार है. साथ ही यह भी संकेत दिया कि BARC अभी आगे बढ़ने में हिचकिचा रहा है.

हर साल मॉनसून के सीजन में जलभराव आम कहानी बन गई है. हर साल मुंबई शहर में सीवर में गिरने से लोगों की मौतें होती हैं. इस मुद्दे को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है. हाई कोर्ट ने कड़े शब्दों में कहा कि मुंबई में मॉनसून के दौरान बार-बार होने वाला जल-जमाव नागरिकों की ही पैदा की हुई समस्या है. इसके लिए नागरिक खुद जिम्मेदार हैं क्योंकि वे जमीन पर कब्जा करते हैं, नालियां जाम करते हैं और पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का गलत इस्तेमाल करते हैं. कार्यवाहक चीफ जस्टिस रवींद्र वी. घुगे और जस्टिस गौतम अंखाड की बेंच ने टिप्पणी की कि शहर में सड़कों पर पानी का जमाव होना तय है क्योंकि लोग कचरे से नालियां बंद कर देते हैं, पक्की जगहों को अवैध पार्किंग में बदल देते हैं और फुटपाथों पर खाने-पीने के स्टॉल लगाकर भीड़ बढ़ा देते हैं. सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए, चीफ जस्टिस घुगे ने कहा कि हाई कोर्ट के बाहर के फुटपाथों पर भी अवैध दुकानें लगी हुई हैं. उन्होंने कहा, ''हमारी आदत अपनी ही मातृभूमि को लूटने की है. हम अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करते हैं और जब तोड़-फोड़ का नोटिस आता है, तभी कानून की किताबें ढूंढते हैं.'' इसी तरह के एक नागरिक मामले में, हाई कोर्ट ने सियोन-ट्रॉम्बे स्ट्रेच पर मंडला गांव में सड़क चौड़ी करने के प्रोजेक्ट को लेकर परमाणु ऊर्जा विभाग को औपचारिक नोटिस जारी किया. BMC की ओर से पेश होते हुए, वरिष्ठ वकील मिलिंद साठे ने कोर्ट को बताया कि सिविक बॉडी ने पहले ही अतिक्रमण हटा दिया है और मौजूदा 30-फुट सड़क को बनाए रखने के लिए 192 पेड़ काट दिए हैं. BMC ने कहा कि अगर परमाणु ऊर्जा विभाग बाकी बची 20 फुट अतिक्रमण-मुक्त जमीन सौंप दे, तो वह सड़क को 50 फुट तक चौड़ा करने के लिए तैयार है. साथ ही यह भी संकेत दिया कि BARC अभी आगे बढ़ने में हिचकिचा रहा है. हाई कोर्ट ने कहा कि परमाणु ऊर्जा विभागको जमीन ट्रांसफर के बारे में फैसला लेने की जरूरत है और इस मामले की अगली सुनवाई इस महीने के आखिर में तय की है.

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

कर्जत-लोनावाला घाट में 22 जगह लैंडस्लाइड

मुंबई: महाराष्ट्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने मुंबई-पुणे रेल मार्ग की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। कर्जत-लोनावाला घाट सेक्शन में जबरदस्त बारिश के कारण कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुए, जिससे पिछले दो दिनों से रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सिर्फ 24 घंटे के भीतर करीब 600 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई, जिसके बाद पहाड़ी क्षेत्रों में मिट्टी खिसकने की घटनाएं बढ़ गईं। पुणे जिले के प्रसिद्ध हिल स्टेशन लोनावाला में सोमवार सुबह 7 बजे समाप्त हुए 24 घंटों में 670 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

भारी बारिश के कारण रेलवे ट्रैक, सिग्नल व्यवस्था और परिचालन व्यवस्था प्रभावित हुई है। रेलवे की टीमें लगातार मौके पर तैनात हैं और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का काम तेजी से किया जा रहा है। कर्जत-लोनावाला घाट सेक्शन में कई स्थानों पर भूस्खलन रेलवे अधिकारियों ने बताया कि पुणे जिले में पिछले दो दिनों के दौरान करीब 22 स्थानों पर लैंडस्लाइड की घटनाएं सामने आई हैं। सेंट्रल रेलवे के चीफ पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर स्वप्निल नीला ने बताया कि घाट सेक्शन में रविवार को भी करीब 300 मिमी बारिश हुई थी।

उन्होंने बताया कि रविवार के शुरूआती चार घंटों में ही लगभग 160 मिमी बारिश दर्ज की गई। इतनी तेज बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों की मिट्टी कमजोर हो गई और कई जगहों पर भूस्खलन हो गया। ठाकुरवाड़ी के पास पहला लैंडस्लाइड रेलवे अधिकारियों के अनुसार, पहला बड़ा लैंडस्लाइड ठाकुरवाड़ी के पास हुआ। इसके कारण भोर घाट में मौजूद तीनों रेल लाइनों पर असर पड़ा। इसके बाद मंकी हिल और खंडाला के बीच भी भूस्खलन की घटना सामने आई। इन घटनाओं के कारण ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई और रेलवे को संचालन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

इसके अलावा खंडाला स्टेशन के पास डाउन मेन लाइन पर एक पेड़ गिरने से भी रेल यातायात बाधित हुआ। रेलवे ने तुरंत शुरू किया मरम्मत कार्य सेंट्रल रेलवे अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बावजूद रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत राहत और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। स्वप्निल नीला ने कहा कि कुछ स्थानों पर रेलवे ट्रैक को काफी नुकसान पहुंचा है, लेकिन लगातार बारिश के बीच भी मरम्मत कार्य जारी रखा गया है। रेलवे की इंजीनियरिंग टीमें, कर्मचारी और आपदा प्रबंधन से जुड़े लोग मौके पर काम कर रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द रेल सेवाओं को सामान्य किया जा सके।

यात्रियों को हुई परेशानी मुंबई-पुणे रेल मार्ग महाराष्ट्र के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में से एक है। इस रूट से रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। लैंडस्लाइड और ट्रैक पर मलबा आने के कारण कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ ट्रेनों की गति धीमी करनी पड़ी, जबकि कुछ सेवाओं के संचालन पर असर पड़ा। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर ले लें। लगातार बारिश बनी चुनौती महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट क्षेत्र में मानसून के दौरान भारी बारिश आम बात है, लेकिन इस बार कम समय में हुई अत्यधिक बारिश ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पहाड़ी इलाकों में मिट्टी खिसकने और चट्टानों के गिरने का खतरा बढ़ जाता है। यही कारण है कि रेलवे को इस क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतनी पड़ती है। अधिकारियों का कहना है कि घाट सेक्शन में सुरक्षा जांच लगातार की जा रही है और किसी भी खतरे वाले स्थान की निगरानी की जा रही है। मौसम विभाग की चेतावनी के बीच बढ़ी सतर्कतामौसम भारी बारिश के चलते प्रशासन और रेलवे दोनों अलर्ट मोड पर हैं। घाट क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी जोखिम वाले हिस्से में ट्रेनों की गति नियंत्रित की जा रही है। जल्द सामान्य होने की उम्मीद रेलवे अधिकारियों को उम्मीद है कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद जल्द ही रेल यातायात सामान्य हो जाएगा। हालांकि, मौसम की स्थिति को देखते हुए आगे भी सतर्कता बरती जा रही है। लगातार बारिश जारी रहने पर दोबारा लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है। फिलहाल रेलवे की टीमें कर्जत-लोनावाला घाट सेक्शन में युद्धस्तर पर काम कर रही हैं, ताकि मुंबई और पुणे के बीच रेल संपर्क को जल्द से जल्द बहाल किया जा सके।

नवी मुंबई: भारी बारिश बनी बाधा, नवी मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की लैंडिंग अंतिम क्षणों में टली

नवी मुंबई : नवी मुंबई एयरपोर्ट पर, सोमवार को एक फ़्लाइट के रनवे की तरफ आने का रूटीन मामला तब तनावपूर्ण हो गया जब एक इंडिगो ATR को टचडाउन से ठीक पहले लैंडिंग रोकनी पड़ी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पायलट ने टचडाउन से कुछ देर पहले लैंडिंग रोकने का फैसला किया, जिससे उसमें सवार यात्री और एयरपोर्ट पर ग्राउंड स्टाफ डर गए। खास तौर पर, मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में भारी मॉनसून की बारिश हुई थी, जिससे विज़िबिलिटी कम हो गई थी और आने वाले एयरक्राफ़्ट के लिए हालात खतरनाक हो गए थे। इंडिगो के लिए ऑपरेट हो रहा रीजनल टर्बोप्रॉप फाइनल अप्रोच पर था, जब क्रू ने लैंडिंग रोकने का फैसला किया।

कुछ देर बाद, एयरक्राफ़्ट गो-अराउंड में वापस आसमान में उड़ गया, यह एक स्टैंडर्ड सेफ़्टी प्रोसेस है जिसका इस्तेमाल तब किया जाता है जब लैंडिंग सुरक्षित रूप से पूरी नहीं हो पाती। इस घटना का एक वीडियो ऑनलाइन फैल गया, जिसमें काले बादलों और तेज बारिश के बीच इस जबरदस्त चढ़ाई को कैप्चर किया गया। डरावना वीडियो जिसमें एयरक्राफ़्ट तूफानी आसमान में वापस चढ़ता हुआ दिख रहा है

यह क्लिप, जिसे पर एक एविएशन पेज ने शेयर किया है, में इंडिगो ATR को रनवे पर बारिश के बीच लेवल करते और फिर तेजी से चढ़ते हुए दिखाया गया है।

ड्राइवरने आपा खोया ट्रक डिवाइडर से टकराया, एक बड़ा हादसा होने से टला

ठाणे। शुक्रवार की सुबह तकरीबन 5 बजे घोड़बंदर रोड में पुणे से दहानू जा रहे थे तभी ट्रक ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और कासांरवडवली ब्रिज पर बने डिवाइडर से टकरा गया. परिणामस्वरूप ट्रक कासारवडवली ब्रिज के किनारे से नीचे सड़क की ओर लटका हुआ रहा. गनीमत रही एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई. बताया जाता है

टाटा ट्रक (गाड़ी नंबर **MH 12 FC 6177**) लगभग 12 टन गुड लेकर पुणे से दहानू जा रहा था. तभी ट्रक के ड्राइवर तुषार कामथे ने गाड़ी से अपना नियंत्रण को दिया.

घटनास्थल पर आपदा प्रबंधन सेल के कर्मचारी एक पिकअप गाड़ी और एक खउइ मशीन के साथ घटनास्थल पर मौजूद थे ,और उनके साथ ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी भी एक हाइड्रा मशीन और एक क्रेन के साथ वहां मौजूद थे. इस दुर्घटना में किसी के जान माल की कोई हानि नहीं हुई है.

ठाणे जिला बैंक पर विधायक किसन कथोरे के ''सहकार पैनल'' की शानदार जीत

21 में से 16 निदेशकों ने जीत हासिल की; किसन कथोरे और हितेंद्र ठाकुर का करिश्मा

संवाददाता

मुंबई : ठाणे-पालघर जिला मध्यवर्ती बैंक के निदेशक पद के लिए हुए चुनाव में प्रसिद्ध , एवं बुद्धिमान . विधायक किसन कथोरे और हितेंद्र ठाकुर के सर्वदलीय ''सहकार पैनल'' ने 21 में से 16 सीटों पर जीत दर्ज कर जिला बैंक पर अपनी जादुई छाप बरकरार रखी है।

इसके साथ ही भाजपा समर्थित ''परिवर्तन पैनल'' ने चार और निलेश सांबरे के रूप में एक निर्दलीय निदेशक बैंक के लिए चुने गए हैं। इस जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जिला बैंक पर बहुजन विकास अघाड़ी के अध्यक्ष . हितेंद्र ठाकुर, विधायक . किसन कथोरे और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का जादू बरकरार हुवा है।

बता दें कि ठाणे-पालघर जिला मध्यवर्ती बैंक के 21 निदेशकों में से 10 निदेशक निर्विरोध चुने गए थे। शेष 11 निदेशकों के लिए हुए मतदान की मतगणना रविवार को हुई। इसमें

''सहकार पैनल'' ने अपना विजयी करिश्मा कायम रखते हुए भाजपा द्वारा दी गई चुनौती को विफल कर दिया। साथ ही, पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटील के ''परिवर्तन पैनल'' को करारी हार का सामना करना पड़ा और यह स्पष्ट हो गया कि भाजपा के ही बुद्धिमान विधायक किसन कथोरे और हितेंद्र ठाकुर का जादू अब भी मजबूत है।

भाजपा की मदद से हितेंद्र ठाकुर के भांजे हार्दिक राउत ने बगावत कर चुनौती दी थी। अंततः उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, हितेंद्र ठाकुर और विधायक किसन कथोरे के सर्वदलीय ''सहकार पैनल'' ने कमाल करते हुए ''परिवर्तन पैनल'' को पराजित किया।देखा जाए तो ठाणे जिले खासकर मुरबाड , बदलापुर , अंबरनाथ कल्याण विभाग में ''किसन कथोरे'' नाम सिर्फ एक प्रसिद्ध नाम ही नहीं बल्कि सहकारिता क्षेत्र की बुद्धिमत्ता का एक प्रभावी खजाना है। वरिष्ठ पत्रकार के. रवि दादा ने विधायक किसन कथोरे के सहकार पैनल की शानदार जीत पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

''सुसंगती सदा घडो'' अभियान में 800 विद्यार्थियों ने ली भागीदारी

संवाददाता

कल्याण। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर गुरुवार को कल्याण के आचार्य अत्रे रंगमंदिर में सुसंगती सदा घडो जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के कल्याण परिमंडल-3 और कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 700 से 800 विद्यार्थियों ने भाग लेकर नशे के खिलाफ जागरूकता का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रादेशिक विभाग के अपर पुलिस आयुक्त संजय जाधव थे।इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे, सहायक पुलिस आयुक्त अशोक होनमाने, सहायक पुलिस आयुक्त सुहास हेमाडे तथा केडीएमसी की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपा शुक्ला सहित परिमंडल-3 के सभी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक और अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के जीवन, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। युवाओं को गलत संगत और नशे से दूर रहकर अपने भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

इस दौरान डॉ. दीपा शुक्ला ने नशीले पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की जानकारी दी और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में कल्याण-डोंबिवली के विभिन्न जूनियर और सीनियर कॉलेजों के शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना था।

प्रशस्ति श्रीवास्तव ने वाराणसी मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यभार ग्रहण किया

वाराणसी: पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल में प्रशस्ति श्रीवास्तव ने आज वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

प्रशस्ति श्रीवास्तव का जन्म 5 दिसम्बर 1992 को हुआ। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की उपाधि प्राप्त की है। भारतीय रेल यातायात सेवा के माध्यम से उनका चयन हुआ तथा उन्होंने 10 दिसम्बर 2018 को भारतीय रेल सेवा में अपना कार्यभार ग्रहण किया।

भारतीय रेल सेवा में अपने कार्यकाल की शुरूआत उन्होंने उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल में सहायक वाणिज्य प्रबंधक के रूप में की। इसके उपरांत उन्होंने आगरा मंडल में मंडल वाणिज्य प्रबंधक तथा मंडल परिचालन

प्रबंधक के रूप में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। वाराणसी मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के रूप में पदस्थापना से पूर्व वे पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर मुख्यालय में वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक (दावा) के पद पर कार्यरत थीं।

कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने मंडल के अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की तथा मंडल की वाणिज्यिक गतिविधियों, यात्री सुविधाओं एवं राजस्व संवर्धन से संबंधित विषयों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं उपलब्ध कराना, यात्री सुविधाओं का निरंतर विस्तार, ग्राहक संतुष्टि, राजस्व वृद्धि तथा पारदर्शी एवं उत्तरदायी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना उनकी प्रमुख प्राथमिकताएं रहेंगी। आप रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों में सामान रूप से लोकप्रिय हैं ।

लगातार बारिश जारी, कई इलाकों में जलभराव, यातायात प्रभावित

संवाददाता

मुंबई : एक बार फिर भारी बारिश का दौर देखने को मिला। सोमवार को कुछ समय के लिए बारिश में हल्की कमी के बाद पिछले दो दिनों से शहर में लगातार बारिश हो रही है। इस लगातार बरसात के कारण शहर के कई हिस्सों में जनजीवन प्रभावित हो गया है और सड़कों पर पानी भरने की स्थिति बन गई है। दक्षिण मुंबई के कई प्रमुख इलाकों जैसे परेल, दादर, सायन, भायखला, कोलाबा और मरीन लाइन्स में रातभर रुक-रुक कर तेज बारिश होती रही। सुबह

तक भी कई स्थानों पर बारिश का सिलसिला जारी रहा, जिससे सड़कों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। इन इलाकों में ऑफिस जाने वाले लोगों और यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

परेल और दादर जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पानी भरने के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। कई जगहों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति भी देखने को मिली। लोकल ट्रेन और सड़क यातायात पर भी इसका असर पड़ा, जिससे सुबह के समय ऑफिस जाने वाले लोगों को देरी का सामना करना पड़ा।

वहीं, पश्चिमी और पूर्वी उपनगरों में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। अंधेरी, कुर्ला, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और मुलुंड जैसे इलाकों में पानी भरने की खबरें सामने आईं। इन क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था

बच्चों का अपराध में इस्तेमाल करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

संवाददाता

मुंबई: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सूबे में बच्चों का इस्तेमाल अपराध के लिए करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नाबालिग अपराधियों की उम्र सीमा 18 साल से घटाकर 16 साल करने के लिए केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस आज विधानसभा में क्राइम और ड्रग्स बांटने के लिए बच्चों का इस्तेमाल किए जाने संबंधी सदस्यों के सवालों का जवाब दे रहे थे। विधायक अर्जुन खोतकर ने जालना

जिले में नाबालिगों के क्राइम की तरफ बढ़ते रुझान को लेकर विधानसभा में सवाल उठाया था। मेंबर सुधीर मुनगंटीवार ने भी इस सवाल पर चर्चा में एक सब-सवाल पूछकर हिस्सा लिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लातूर में जो घटना हुई वह व्यक्तिगत है और यह पारिवारिक झगड़े की वजह से हुई। इस मामले की जांच चल रही है और जांच में शामिल पाए गए कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया गया है। लेकिन, कुछ क्रिमिनल प्रवृति वाले लोग बच्चों को बिना अरेस्ट किए चिल्ड्रन होम में रखने के नियम का फायदा उठा रहे हैं। यह देखा गया है कि ऐसे लोग बच्चों का इस्तेमाल क्राइम करने के लिए कर रहे हैं। यह भी देखा गया है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे भी गंभीर क्राइम कर रहे हैं।

अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे 2 करोड़ लोग

जानें भारत और पाकिस्तान से कौन-कौन?

अयातुल्ला अली खामेनेई के बारे में जानें

>> खामेनेई ने 37 वर्षों तक ईरान के अयातुल्ला के रूप में सेवा की।

>> 1979 की क्रांति के बाद इस्लामिक रिपब्लिक की स्थापना के बाद से इस पद पर रहने वाले वे दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले व्यक्ति थे।

>> 1939 में मशहद में जन्मे अयातुल्ला अली खामेनेई ने 1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

>> इसके बाद, अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी की मृत्यु के बाद ''असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स'' (इस्लामिक विद्वानों की चुनी हुई संस्था जो सर्वोच्च नेता की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार है) ने उन्हें अयातुल्ला चुना।

तेहरान: ईरान अपने पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे को भव्य बनाने की तैयारी में है। जनाजे का यह कार्यक्रम शनिवार से शुरू होकर छह दिनों तक चलेगा और ईरान और इराक के अलग-अलग शहरों से गुजरेगा। यह सब कड़ी सुरक्षा के बीच हो रहा है, क्योंकि ईरान को डर है कि इजरायल और अमेरिका खामेनेई के जनाजे को भी निशाना बना सकते हैं। अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत फरवरी के अंत में हुए अमेरिकी और इजरायली हमलों में हुई थी। ऐसे में ईरान इसे अपने इतिहास का सबसे भव्य कार्यक्रम बनाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है। खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी गणमान्य लोगों को भी निमंत्रित किया गया है, जिनमें भारतीय और पाकिस्तानी भी शामिल हैं।

अमेरिका और इजरायल के हमलों की शुरूआत से ही अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के इंतजार में रखा हुआ था। चार महीने की यह देरी सीधे तौर पर युद्ध, युद्धविराम और उसके बाद की बातचीत की प्रक्रिया का नतीजा थी। अब अमेरिका के साथ संघर्ष विराम पर सहमति बनने और इजरायली हमलों के रुकने के बाद ईरान उनके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट में ऐसा क्या हो गया जो खुश हो गए डोनाल्ड ट्रंप, बोले- पहले ऐसा कभी नहीं देखा

वॉशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से होने वाली शिपिंग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है और तेल की कीमतों में और गिरावट आने का अनुमान जताया। नॉर्थ डकोटा में एक भाषण के दौरान उन्होंने ईरान के साथ स्थिति का सकारात्मक आकलन पेश किया। ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समय) को मेडोरा में थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हुए कहा, ''नावें होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर आ रही हैं। इतनी बड़ी संख्या में नावें बाहर आ रही हैं, जितनी पहले कभी नहीं देखी गईं। असल में हम रिकॉर्ड बना रहे हैं।''

ट्रंप ने कहा, ''तेल की कीमतें गिर रही हैं। मुझे कोई परवाह नहीं कि वे खुश हैं या दुखी, मैं चाहता हूं कि कीमतें कम हों। तेल की कीमतें इतनी तेजी से गिर रही हैं, जितना किसी ने सोचा भी नहीं था, लेकिन मैंने आपसे कहा था कि ऐसा होगा। हमारा हर चीज पर पूरा कंट्रोल है।'' ट्रंप ने अमेरिकी विदेश नीति पर चर्चा करते हुए ईरान का भी संक्षेप में जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''हम असल में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ भी उतना ही अच्छा काम कर रहे हैं। शायद आपने इसके बारे में सुना होगा।''

''अमेरिका के सुनहरे दौर की शुरूआत''

ट्रंप ने थियोडोर रूजवेल्ट को याद करने और अपने प्रशासन की घरेलू और विदेशी नीति के एजेंडे पर बात करने के बीच बार-बार अपनी बात बदली। उन्होंने ऊर्जा की कम कीमतों को व्यापक आर्थिक सुधार से जोड़ा। ट्रंप ने कहा, ''यह अमेरिका के सुनहरे दौर की बस शुरूआत है। अमेरिका कुछ ऐसा अनुभव करने जा रहा है, जिसके बारे में मैं सचमुच कह सकता हूं कि मुझे विश्वास है कि सबसे अच्छा समय अभी आना बाकी है।'' ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ने अपनी अंतरराष्ट्रीय साख फिर से हासिल कर ली है।

हैदर अली और ''मैसूर टाइगर'' टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से अमेरिकी आजादी में निभाई थी अहम भूमिका

वॉशिंगटन: अमेरिका इस हफ्ते के आखिर में (शनिवार, 4 जुलाई) को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। अमेरिकी हर साल इस दिन ब्रिटेन से आजादी के लिए जश्न मनाते हैं। अमूमन अमेरिकी आजादी के आंदोलन को ब्रिटिश राज की ज्यादती के खिलाफ स्थानीय लोगों की बगावत के तौर पर देखा जाता है। हालांकि इसका एक पहलू ये है कि अमेरिका की आजादी के पीछे भारत एक एक अहम रोल था। खासतौर से हैदर अली और टीपू सुल्तान अमेरिकी आजादी की एक बड़ी वजह बने थे। अमेरिका जब आजाद हुआ तो दक्षिण भारत में हैदर अली मैसूर के सुल्तान थे और उनके बेटे टीपू सुल्तान सैन्य कामकाज देख रहे थे। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू ऑरलियन्स में प्रोफेसर एमेरिटस और डेलगाडो कम्युनिटी कॉलेज में पूर्व डीन और वाइस-चांसलर डॉक्टर मुस्तफा सरवर ने अमेरिकी आजादी का भारत कनेक्शन बताया है। डेली स्टार में अपने लेख में सरवर कहते हैं कि अमेरिकी धरती पर किसी भारतीय योद्धा के जाने का सबूत नहीं है लेकिन भारत और अमेरिका मिलिट्री स्ट्रैटेजी और शाही राजनीति के अनदेखे धागों से बंधे हुए थे।

हैदर अली और टीपू सुल्तान

सरवर के मुताबिक, साल 1778 में जब फ्रांस अमेरिका के साथी के तौर पर युद्ध में शामिल हुआ तो यह लड़ाई एक ग्लोबल युद्ध में बदल गई। ब्रिटिश ताकत को तोड़ने के लिए फ्रांस ने दक्षिण भारत के मैसूर में हैदर अली और उनके लड़ाके बेटे टीपू सुल्तान से संपर्क किया। फ्रांस के साथ मिलकर उन्होंने दूसरा एंग्लो-मैसूर युद्ध शुरू कर दिया।

पोलिलुर की लड़ाई में टीपू सुल्तान की सेना के लोहे के केस वाले रॉकेट हमलों से ब्रिटिश सेना बिखरने लगी। इस विरोध ने ब्रिटेन को अपनी नेवी का पांचवां हिस्सा, हजारों सैनिक और बहुत सारे फाइनेंशियल रिसोर्स भारत की ओर मोड़ने पर मजबूर कर दिया। नतीजतन जनरल जॉर्ज वाशिंगटन के खिलाफ अमेरिकी युद्ध के मैदानों में उसकी ताकत कम हो गई।

अमेरिकी फाउंडर्स के लिए प्रेरणा

जॉन एडम्स ने कांग्रेस को हैदर अली की तारीफ में एक लेटर लिखा, जिसे असेंबली के सामने जोर से पढ़ा गया। पेरिस में फ्रांसीसी अधिकारियों ने बेंजामिन फ्रैंकलिन को प्रस्ताव दिया कि अमेरिकियों और हैदर अली के बीच सीधा संपर्क बनाया जाए। टीपू सुल्तान दुनियाभर के क्रांतिकारी विचारों से प्रभावित थे। वह जैकोबिन क्लब में शामिल हो गए और श्रीरंगपट्टनम में ट्री ऑफ लिबर्टी लगाया।

अमेरिकी आजादी की लड़ाई के बाद के हिस्से में मैसूर के शासक हैदर अली और उनके बेटे टीपू सुल्तान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के मुख्य और सबसे ताकतवर दुश्मन बन गए। ब्रिटिश सेना को पूरब में रोककर उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी आजादी के लड़ाकों की मदद की। हैदर अली की ब्रिटिश विरोधी बहादुरी से प्रेरित होकर पेन्सिलवेनिया स्टेट नेवी ने उनके सम्मान में अपने एक जंगी जहाज का नाम हैदर अली रखा था।

अमेरिका-ब्रिटेन की समुद्री लड़ाई

यह जहाज असल में एक सरकारी प्राइवेट जहाज था, जिसे पेन्सिलवेनिया के व्यापारियों की रक्षा करने और ब्रिटिश नाकाबंदी को तोड़ने के लिए बनाया गया था। इसमें 16 तोपें थीं और इसकी कमान कैप्टन जोशुआ बार्नी के हाथ में थी, जो अमेरिकन नेवी के जाने-माने लोगों में से एक थे। 8 अप्रैल, 1782 को डेलावेयर-बे के मुहाने पर अमेरिकन जहाज ''हैदर अली'' की टक्कर ब्रिटिश नेवी के जंगी जहाज एचएमएस जनरल मोंक से हुई, जिसमें 20 तोपें थीं।

मशहूर एंकर, बैंड ड्रमर और अब जापान की प्रधानमंत्री! जानें सनाए ताकाइची की सक्सेज स्टोरी

टोक्यो: कहते हैं प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। ऐसी ही एक प्रतिभा का नाम है सनाए ताकाइची। सनाए ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने जापान की पुरुष प्रधान राजनीति में न केवल अपने लिए जगह बनाई, बल्कि सर्वोच्च ओहदे पर भी पहुंचीं। ताकाइची इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। यह प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पहली भारत यात्रा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की है, जिसमें भारत और जापान के बीच कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। ऐसे में जानें कि सनाए ताकाइची एक टेलिविजन एंकर और बैंड ड्रमर से जापान की राजनीति के सर्वोच्च पद तक कैसे पहुंचीं।

टीवी एंकर और बैंड ड्रमर भी रहीं ताकाइची

राजनीति में आने से पहले, सनाए ताकाइची अमेरिका में एक टेलीविजन एंकर थीं। वह एक हेवी-मेटल बैंड में ड्रम भी बजाती थीं। उन्होंने अमेरिका में पढ़ाई की, जहां उन्होंने कोलोराडो की कांग्रेसवुमन पेट्रीसिया श्रोएडर के साथ इंटर्नशिप की। जापान लौटने पर, उन्होंने अमेरिकी राजनीति पर किताबें लिखीं और इसी फील्ड में अपने करियर की शुरूआत

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री

>> सनाए ताकाइची अक्टूबर 2025 से जापान की प्रधानमंत्री और लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की अध्यक्ष हैं।

>> वह जापानी इतिहास में इन दोनों पदों को संभालने वाली पहली महिला हैं।

>> 1993 से 2003 तक और 2005 से जापान की संसद की सदस्य भी हैं।

>> बड़ी बात यह है कि उन्होंने 1993 में अपने संसदीय कार्यकाल की शुरूआत एक निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में की थी।

>> उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे और फुमियो किशिदा के प्रधानमंत्री रहते हुए मंत्री पद भी संभाले हैं।

''पाकिस्तानी सेना ने ही कश्मीरियों के हाथों में थमाई थीं बंदूकें'', पीओके के नेता का बड़ा कबूलनामा

इस्लामाबाद: पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी विद्रोह के 24वें दिन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के एक बड़े नेता ने पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी है। सरदार अमन खान ने रावलकोट ईदगाह में 80000 से ज्यादा लोगों की भीड़ के सामने पाकिस्तान को ललकारते हुए कहा कि उसी ने कश्मीर में आतंकवाद को फैलाया। उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तानी सेना ही थी, जिसने कश्मीरियों के हाथों में बंदूकें थमाईं। उन्होंने यह भी कहा कि और आज वही पाकिस्तानी सेना हमें आतंकवादी कह रही है।

पीओके के नेता ने पाकिस्तान की पोल खोली

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी नेता सरदार अमन खान ने कहा, ह्लपाकिस्तान आर्मी ने ही कश्मीरियों को बंदूकें दी थीं। और आज, उनमें हमें आतंकवादी कहने की हिम्मत है?'' उन्होंने पाकिस्तान सरकार और आतंकवादी संगठनों के बीच साठगांठ का भी पदार्फाश किया। उन्होंने बताया कि कैसे रावलकोट के डिप्टी कमिश्नर ने पिछले साल 5 फरवरी को जैश-ए-मोहम्मद के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी और सुरक्षा मुहैया कराई थी।

'अल्फा गर्ल्स' आलिया और शरवरी का एक्शन हो रहा है वायरल

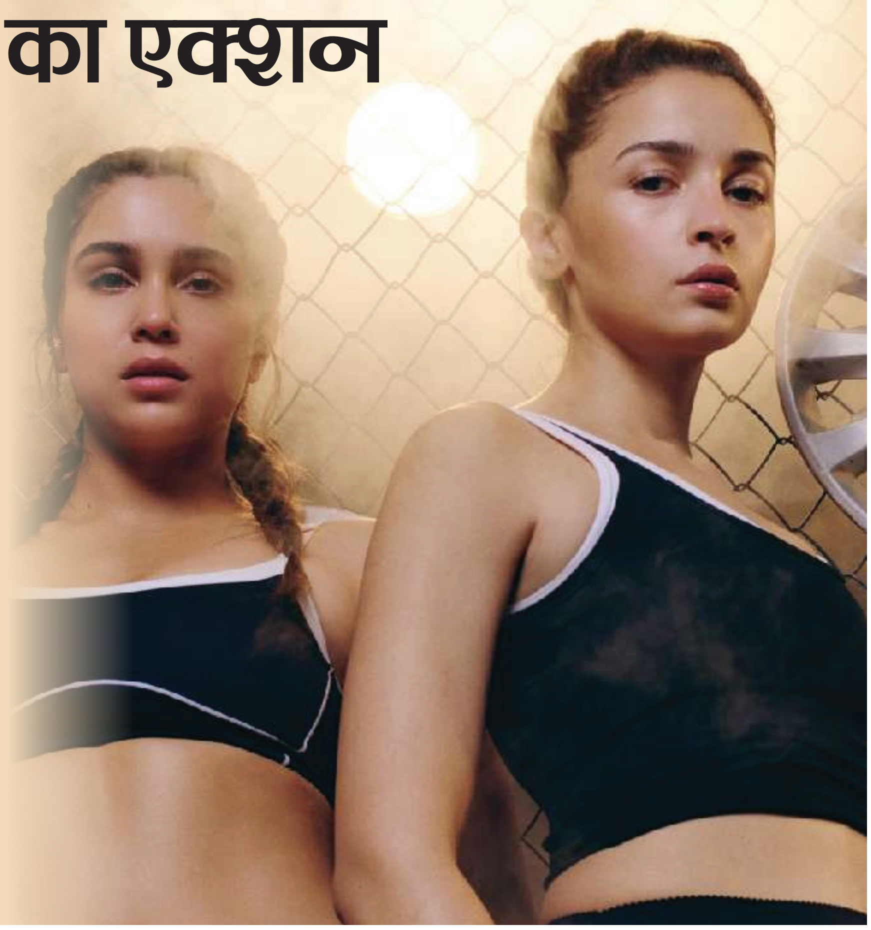

आलिया भट्ट और शरवरी अपनी दमदार एक्शन फिल्म 'अल्फा' से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। यह मनोरंजन से भरपूर 'पॉपकॉर्न एक्शन एंटरटेनर' पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 9.25 करोड़ रुपये (भारत नेट) की शानदार ओपनिंग के साथ शुरू हुई और वीकेंड में भी इसी रफ्तार को बरकरार रखने की उम्मीद है। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और शिव रवैल द्वारा निर्देशित 'अल्फा' में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। 3 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई यह फिल्म दर्शकों को दमदार एक्शन, रोमांच और भरपूर मनोरंजन से सजा बड़े पर्दे का शानदार अनुभव दे रही है।

'राजमहल बना दूँ पटना में' ने सोशल मीडिया पर मचाया धमाल

राज रंजीत और युक्ति कपूर पर फिल्माया गया बॉलीवुड स्टाइल म्यूजिक वीडियो "राजमहल बना दूँ पटना में" महज़ 10 दिनों में 2 करोड़ (20 मिलियन) से अधिक व्यूज़ हासिल कर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। मशहूर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य के निर्देशन और हूक स्टेप ने इस गीत को वायरल बना दिया है, जबकि अमित मिश्रा और कल्पना पटवारी की आवाज़ तथा कुणाल मिश्रा के संगीत ने इसे चार्टबस्टर का दर्जा दिलाया। मुंबई के बॉम्बे कॉकटेल बार में फिल्माए गए इस गीत में राज रंजीत और युक्ति कपूर की केमिस्ट्री को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और लाखों रील्स इस पर बनाई जा चुकी हैं।

Zee5 पर होगा मराठी फ़िल्म 'फ़्रेम' का प्रीमियर दमदार कहानी वाली इस फ़िल्म में फ़र्ज़ और ज़मीर के बीच होगा टकराव

मराठी ZEE5 ने अपनी आने वाली ऑरिजिनल फ़िल्म 'फ़्रेम' की घोषणा की है। दिल को छू लेने वाली इस सोशल-ड्रामा फ़िल्म में प्रोफेशनल लाइफ और इंसानियत के बीच का बारीक फ़र्क दिखाया गया है, जहाँ कदम-कदम पर उसूलों को कसौटी पर परखा जाता है। विक्रम पटवर्धन द्वारा लिखी गई और उनके निर्देशित में बनी इस फ़िल्म में नागराज मंजुले, अमेय वाघ, मुग्धा गोडसे और अक्षया गुरव ने मुख्य किरदार निभाए हैं। इस फ़िल्म का निर्माण आटपाट और Zee स्टूडियोज़ ने किया है।फ़िल्म की दमदार कहानी दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देती है, जो दिखाती है कि फ़ोटो जर्नलिज़्म के दौरान किसी हादसे को दुनिया के सामने लाने में एक इंसान को जज्बाती तौर पर और नैतिक रूप से क्या कीमत चुकानी पड़ती है। यह फ़िल्म 10 जुलाई, 2026 को मराठी Zee5 पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

अकाक्षा रंजन को ग्राम चिकित्सालय का अनुभव कर गया हैरान

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन इस समय ग्राम चिकित्सालय सीजन 2 में अपने अभिनय के लिए खूब सराहना बटोर रही हैं, जहाँ वह एक गाँव की डॉक्टर गर्गी के किरदार में पूरी तरह ढलती नजर आ रही हैं। पर्दे पर उनकी यात्रा दर्शकों को काफी पसंद आ रही है, लेकिन हाल ही में उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें वास्तविक जीवन में भी ग्राम चिकित्सालय का अनुभव हो गया।

इस घटना को याद करते हुए आकांक्षा ने साझा किया कि शूटिंग के दौरान उन्हें एक कुत्ते ने काट लिया था, जिसके बाद इलाज के लिए उन्हें पास के एक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ा। वहाँ का अनुभव उनकी सोच को पूरी तरह बदल देने वाला रहा। उन्होंने कहा, "शूट के दौरान मुझे कुत्ते ने काट लिया था, इसलिए मुझे इलाज के लिए एक असली ग्राम चिकित्सालय जाना पड़ा। वहाँ मुझे रेबीज़ के दो इंजेक्शन लगे। सच कहूँ तो मैं सुखद रूप से चकित रह गई। वह जगह बहुत साफ-सुथरी और स्वच्छ थी, और वहाँ के डॉक्टर और नर्स बेहद प्रशिक्षित, देखभाल करने वाले और विनम्र थे। यह अनुभव मेरे लिए बहुत सकारात्मक रहा और मैं इसे हमेशा याद रखूँगी।"

इस अनुभव ने आकांक्षा को उस दुनिया को और गहराई से समझने का अवसर दिया, जिसमें उनका शो आधारित है। गाँव के स्वास्थ्य केंद्र का यह वास्तविक अनुभव उनके लिए ग्राम चिकित्सालय के सेट का एक अनपेक्षित विस्तार बन गया, जिसने उनकी यात्रा को और भी यादगार बना दिया।

....

मुंबई : नए श्रम कानूनों पर महाराष्ट्र सरकार की बड़ी तैयारी

मुंबई: महाराष्ट्र सरकार ने नए केंद्रीय श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के श्रम मंत्री एडवोकेट आकाश फुंडकर ने श्रम विभाग को निर्देश दिए हैं कि चार नए केंद्रीय श्रम कोड के तहत तैयार किए गए राज्य के मसौदा नियमों (ड्राफ्ट रूल्स) पर ट्रेड यूनियनों के साथ विस्तृत चर्चा की जाए। सभी संबंधित पक्षों के सुझाव और आपत्तियां प्राप्त करने के बाद एक समेकित (कंसोलिडेटेड) रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय को भेजी जाएगी।

यह निर्णय सोमवार को मुंबई स्थित मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान लिया गया। बैठक की अध्यक्षता स्वयं श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने की। इसमें श्रम विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ समितियों के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में चारों नए श्रम कोड से जुड़े मसौदा नियमों की समीक्षा की गई और आगे की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। ट्रेड यूनियनों से संवाद पर सरकार का जोर समीक्षा बैठक में श्रम मंत्री ने स्पष्ट किया कि श्रम कानूनों में होने वाले बदलावों का सीधा प्रभाव लाखों श्रमिकों और उद्योगों पर पड़ने वाला है। इसलिए इन नियमों को अंतिम रूप देने से पहले श्रमिक संगठनों, ट्रेड यूनियनों और अन्य हितधारकों की राय लेना आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रम विभाग द्वारा गठित चार विशेषज्ञ समितियां ट्रेड यूनियनों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जॉइंट एक्शन कमेटी) के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित करें। इन बैठकों में प्रत्येक मसौदा नियम पर विस्तार से चर्चा की जाए ताकि सभी पक्षों की राय को शामिल किया जा सके। चार प्रमुख श्रम संहिताओं पर होगी चर्चा महाराष्ट्र सरकार जिन चार केंद्रीय श्रम संहिताओं के तहत राज्य के नियम तैयार कर रही है, उनमें शामिल हैं–

सोशल सिक्योरिटी कोड रूल्स झ कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा लाभ, पेंशन, बीमा और अन्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रावधानों के लिए। इन चारों कोड को केंद्र सरकार ने देशभर में श्रम कानूनों को सरल, पारदर्शी और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से तैयार किया है। हालांकि इन्हें प्रभावी रूप से लागू करने के लिए राज्यों को अपने-अपने नियम बनाने होते हैं। विशेषज्ञ समितियों को दिए गए निर्देश बैठक में श्रम मंत्री फुंडकर ने कहा कि विशेषज्ञ समितियां प्रत्येक मसौदा नियम का गहन अध्ययन करें और श्रमिक संगठनों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श करें। यदि ट्रेड यूनियनों की ओर से कोई व्यावहारिक सुझाव या संशोधन प्रस्तावित किए जाते हैं, तो उन्हें गंभीरता से परखा जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उद्देश्य केवल नियम बनाना नहीं, बल्कि ऐसा संतुलित ढांचा तैयार करना है जिससे उद्योगों की जरूरतों और श्रमिकों के अधिकारों के बीच संतुलन कायम रहे। सभी सुझावों को शामिल कर बनेगी रिपोर्ट श्रम विभाग को निर्देश दिया गया है कि विभिन्न बैठकों और चचाओं के दौरान प्राप्त सभी सुझावों, आपत्तियों और सिफारिशों को एकत्रित किया जाए। इसके बाद एक विस्तृत और समेकित रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय को भेजी जाएगी। सरकार का मानना है कि इससे राज्य की ओर से एक संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण सामने आएगा तथा नए श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

श्रमिकों और उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण कदम विशेषज्ञों का मानना है कि नए श्रम कोड का उद्देश्य देश के श्रम कानूनों को सरल बनाना और उद्योगों के लिए कारोबार करना आसान बनाना है। वहीं श्रमिक संगठनों का कहना है कि किसी भी बदलाव से पहले कर्मचारियों के हितों और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसी कारण महाराष्ट्र सरकार ने नियमों को अंतिम रूप देने से पहले व्यापक परामर्श की प्रक्रिया अपनाने का फैसला किया है। सरकार ने जताई संतुलित नीति की प्रतिबद्धता श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने बैठक में कहा कि महाराष्ट्र सरकार श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और औद्योगिक विकास दोनों के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा श्रम ढांचा तैयार करना चाहती है जो उद्योगों के लिए अनुकूल होने के साथ-साथ श्रमिकों के हितों की भी पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करे।

मुंबई: बोरीवली वेस्ट के गोराई में मनोरी बीच के पास समुद्र में नजर आया नाम का विदेशी कार्गो जहाज, INS हमला तैनात

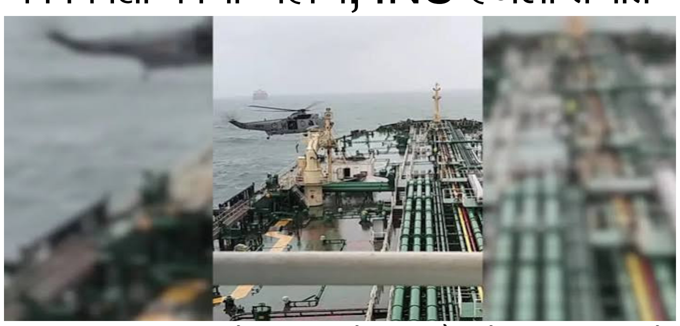

मुंबई: निकारागुआ के झंडे वाला एक बिना क्रू का मर्चेंट टैंकर, MT अल जफजिया, एंकर चेन से अलग होने के बाद मनोरी द्वीप के पास लगभग एक किलोमीटर दूर जमीन पर फंस गया। वहीं, खराब मौसम के कारण एंकर पर होने के बावजूद दो अन्य जहाज खिंचकर द्वीप के करीब आ गए। पुलिस ने बताया कि दो अन्य जहाज - माली के झंडे वाला बिटुमेन टैंकर MT डामर स्टार और ईरान के झंडे वाला टैंकर MT स्टेलर रूबी - मनोरी द्वीप से लगभग 11 नॉटिकल मील (20.3 किमी) दूर बहकर आ गए।

जहाज को देखने के बाद, स्थानीय मछुआरा समुदाय ने गोराई पुलिस को सूचित किया। उन्हें लगा कि समुद्र तट पथरीला होने और तेज हवाओं के कारण जहाज की जांच के लिए छोटी नाव से पानी में जाना खतरनाक होगा। पुलिस और कोस्ट गार्ड ने स्थिति पर नजर रखी।

ICGS के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें रविवार को ऊॢ शिपिंग से खराब मौसम के कारण तीन जहाजों के बहने के बारे में संदेश मिला। अधिकारी ने कहा कि उस इलाके में मौजूद ICGS सम्राट को स्थिति का आकलन करने और जहाजों को जरूरी मदद देने के लिए भेजा गया। साथ ही, DG शिपिंग से मदद के लिए ETV वॉटर लिली को तैनात करने का अनुरोध किया गया। फिलहाल, MT डामर स्टार और MT स्टेलर रूबी एंकर पर हैं और जहाजों का क्रू सुरक्षित है। MT अल जफज़िया एंकर पर बिना क्रू के था और माना जा रहा है कि वह मनोरी के पास जमीन पर फंस गया है।

मुंबई: लोकभवन में ड्यूटी पर तैनात SRPF कांस्टेबल ने गोली मारकर की आत्महत्या

मुंबई: मुंबई के हाई सिक्योरिटी क्षेत्र स्थित महाराष्ट्र लोकभवन से एक दुखद घटना सामने आई है. यहां ड्यूटी पर तैनात स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स ग्रुप-16, कोल्हापुर के कॉन्स्टेबल अमलदार कौस्तुभ सांगले ने कथित तौर पर अपनी सर्विस गन से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली. इस घटना के बाद पूरे लोकभवन परिसर में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही मालाबार हिल पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. घटना के समय लोकभवन के भीतर मुंबई पुलिस के अधिकारी भी तैनात थे. पुलिस को इस मामले में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही आत्महत्या के कारणों का अभी कुछ पता चल सका है.

जांच में जुटी पुलिस

इस घटना के बाद मौके पर मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर मनोज शर्मा भी पहुंचे हैं. पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है. मामले में विस्तृत जानकारी का इंतजार है. सूत्रों ने बताया कि कौस्तुभ शाम 6 बजे से रात 9 बजे की शिफ्ट में थे. उनकी लोकभवन के टावर 2 पर ड्यूटी थी. यहां हर 3 घंटे में शिफ्ट बदलती है. इसी बीच एक रूम नुमा जगह पर कौस्तुभ ने खुद की सर्विस गन से एक गोली मार ली.

कैसे सामने आई आत्महत्या की खबर

कौस्तुभ के पास एसएलआर थी, जिससे उन्होंने अपने आपको गोली मारी है. एसएलआर का एक राउंड (गोली) 7.62 एमएम है. आत्महत्या का पत तब चला जब कौस्तुभ को रिलीव करने उनका सहकर्मी आया. सहकर्मी ने जब खून देखा तो तुरंत बाकियों को इसकी जानकारी दी, जिसके तुररंत बाद उस जगह को सील कर जांच शुरू कर दी गई. सूत्रों का दावा है कि कौस्तुभ शराब पिया करता था और डिप्रेशन में भी था.

मुंबई: 16 घंटे बाद पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे के ''मिसिंग लिंक'' पर ट्रैफिक फिर से हुआ शुरू

मुंबई: मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के मिसिंग लिंक की टनल 2 को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के कार्यालय ने यह बड़ा अपडेट साझा किया है। सोमवार सुबह लैंडस्लाइड के बाद ट्रैफिक को बंद कर दिया गया था। भारी बारिश के कारण काफी सारा मलबा टनल और सड़क पर गिर गया था। टरफळ्ळ की तरफ से युद्ध स्तर पर सड़क को क्लीन किए जाने के बाद रात करीब 11 बजे फिर से ट्रैफिक के लिए टनल को खोला गया। मिसिंग लिंक पर खंडाला के पास बड़ा लैंडस्लाइड हुआ था। इससे इससे टनल-2 एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ था।

महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने साझा किया अपडेट

महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के ट्रैफिक शुरू होने का अपडेट साझा किया है। एमएसआरडीसी ने कहा है कि पुणे-मुंबई कनेक्टिंग लिंक रोड पर ट्रैफि क फिर से शुरू हो गया है। सुरक्षा के बड़े ऑपरेशन पूरे होने के बाद गाड़ियों की आवाजाही बहाल कर दी गई है।

कॉरपोरेशन ने बताया है कि भारी बारिश, तेज हवाएं और कम विजिबिलिटी के बाद के बावजूद महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की टीमों ने रास्ते को सुरक्षित रूप से फिर से खोलने के लिए लगातार काम किया।

टेक्निकल जांच के बाद खोला गया ट्रैफिक

महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने बताया है कि इसके लिए मिसिंग लिंक (अब कनेक्टिंग लिंक) के प्रभावित हिस्से से मलबा हटाया गया। इसके बाद खास उपकरणों का इस्तेमाल करके सड़क को अच्छी तरह साफ किया गया। टेक्निकल एक्सपट्र्स ने टनल 2 और उससे जुड़ी ढलान का बारीकी से निरीक्षण किया ताकि यह पक्का किया जा सके कि कोई ढीला मटीरियल खतरा न पैदा करे। इसके बाद ड्रोन सर्वे की कोशिश की गई, हालांकि, घने कोहरे, भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण हवाई ऑपरेशन नहीं हो पाए। जरूरी सुरक्षा और टेक्निकल जांच पूरी होने के बाद ही ट्रैफिक बहाल किया गया है। एमएसआरडीसी ने यात्रियों से गुजारिश है कि वे जारी भारी मॉनसून के दौरान गैर-जरूरी यात्रा से बचें और अधिकारियों द्वारा जारी ट्रैफि क एडवाइजरी का सख्ती से पालन करें।

महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन सभी सड़क उपयोगकताओं के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यह भारी लैंडस्लाइड (भूस्खलन) ''मिसिंग लिंक'' सेक्शन पर खंडाला एग्जिट के पास हुआ था।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com